दिनांक 14.09.2021 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव व्याख्यानमाला 4 की श्रंखला में हिंदी विभाग के तत्वावधान में एक तरंग गोष्ठी आयोजित की गई, जिसका विषय था "भारत के विकास में हिंदी की संभावित भूमिका"। मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में प्रोफेसर बाबूराम (अध्यक्ष ,हिंदी विभाग, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी) उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य डॉ० कृष्णकांत गुप्ता ने की। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ० कृष्णकांत गुप्ता के कुशल नेतृत्व एवं सफल मार्गदर्शन में महाविद्यालय दिन प्रतिदिन परम ऊंचाइयों को छू कर निरंतर उन्नति की ओर अग्रसर होकर इस वर्ष अपने स्वर्ण जयंती वर्ष में पदार्पण कर चुका है । कार्यक्रम के संरक्षक अग्रवाल प्रबंध समिति के प्रधान श्री देवेंद्र गुप्ता जी थे ।इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक डॉ० बांके बिहारी (प्रांतीय संयोजक मातृभाषा व हिंदी प्रचार प्रकल्प, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास अग्रवाल कॉलेज प्रतिमान केंद्र), कार्यक्रम संयोजक डॉ० अशोक निराला, डॉ० रेनू माहेश्वरी एवं महाविद्यालय के समस्त प्रवक्तागण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ० कृष्णकांत गुप्ता ने मुख्य अतिथि एवं वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि हिंदी का वर्चस्व बढ़ रहा है, नई शिक्षा नीति के अंतर्गत इसमें अनेक प्रावधान है और मां, मातृभाषा और मातृभूमि का कोई विकल्प नहीं है भारत के विकास में हिंदी की बहुत बड़ी भूमिका है और भविष्य में भी अनेक संभावनाएं हैं, आज आवश्यकता है हम हिंदी भाषा की महत्ता को समझे और उसे बढ़ावा दें। तरंग संगोष्ठी के मुख्य वक्ता सुप्रसिद्ध हिंदी एवं हरियाणा साहित्य के सर्जक, आलोचक, संपादक प्रोफ़ेसर बाबू राम जी ने अपने वक्तव्य में हिंदी से जुड़े अनेकानेक आयामों पर चर्चा करते हुए हिंदी की स्थिति एवं उसके माध्यम से भारत के विकास के अनेक बिंदुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम संयोजिका एवं स्नातकोत्तर हिंदी विभाग अध्यक्षा डॉ रेनू माहेश्वरी के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ इस कार्यशाला में लगभग प्रतिभागियों ने भाग लिया और लाभान्वित हुए।